राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 252 | जौनपुर | शुक्रवार, 02 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

स्वाबलंबन का आशय है नौकरी मांगने वाले बनने के बजाय देने वाले बनें सुजाता बहन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

शाहजहांपुर। रोजा पावर सप्लाई कम्पनी लिमिटेड एवं विनोबा सेवा आश्रम के संयुक्त प्रयास से आरम्भ किये गये स्वावलम्बन कार्यक्रम के प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चौथे एवं पांचवे बैच के 181 प्रशिक्षणार्थियों की आशातीत सफलता के बाद आज षष्ठम बैच का शुभारम्भ गांव दिलावरपुर देवकली में स्थित स्वावलंबन केन्द्र में किया गया। पूर्व की भांति इस बार भी परियोजना प्रभावित गांव से 30 लाभार्थियों का चयन राजमिस्त्री एंव प्लम्बर प्रशिक्षण के लिए किया गया ताकि वे प्रशिक्षण के पश्चात स्वरोजगार को अपनाकर आय अर्जित कर सकें। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार बैंक से ऋण दिलाने में भी सहयोग किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

जाति जनगणना के फैसले ने असली इरादों और खोखली नारेबाजी के बीच अंतर को उजागर किया : प्रधान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगली जनगणना में जाति गणना को शामिल करने के सरकार के फैसले ने ''असली इरादों और खोखली नारेबाजी'' के बीच के अंतर को उजागर किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधान ने इस कदम को ''पासा पलटने वाला फैसला'' बताया जिसका कई विपक्षी दलों ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा, ''इस महत्वपूर्ण फैसले ने हमारे असली इरादों और विपक्ष की खोखली नारेबाजी के बीच के अंतर को उजार किया है। हालांकि अधिकतर विपक्षी दलों ने इसका स्वागत किया है।'' सरकार ने एक बड़े फैसले में बुधवार को घोषणा की कि आगामी जनगणना में जाति गणना को ''पारदर्शी'' तरीके से शामिल किया जाएगा। सरकार ने यह घोषणा करते हुए जाति सर्वेक्षणों को ''राजनीतिक उपकरण'' के रूप में इस्तेमाल करने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की। कांग्रेस सहित विपक्षी दल देश भर में जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं और इसे एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया गया है। बिहार, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे कुछ राज्य पहले ही ऐसे सर्वेक्षण कर चुके हैं।

मणिपुर के तेंगनौपाल में दो तस्कर गिरफ्तार, याबा की गोलियां और नकदी बरामद

मणिपुर, (एजेंसी)। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में मादक पदार्थ के संदिग्ध दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 35.41 किलोग्राम याबा की गोलियां बरामद की गईं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बुधवार को टीओबी यांगौबंग में दो वाहनों को रोका गया, जिनकी तलाशी लेने पर 2.6 लाख रुपये नकद मिले और याबा की लगभग तीन लाखगोलियां बरामद की गईं। पुलिस के अनुसार, संदेह है कि वाहन भारत–म्यांमा सीमा पर मोरेह से चुराचांदपुर जा रहा था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान पाओजाथांग किपगेन (30) और कम्मिनलुन किपगेन (24) के रूप में हुई है। याबा गोलियां भारत में अवैध है। इनमें 'मेथाम्फेटामाइन' होता है, जो नियंत्रित पदार्थ अधिनियम के तहत अनुसूची–2 में है। पुलिस ने बताया कि एक अन्य अभियान में इंफाल पश्चिम जिले के पटसोई से मादक पदार्थ के संदिग्ध दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 274.8 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। उसने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान केयेनबाम केनेडी सिंह (36) और केसाम सरत सिंह (55) के रूप में हुई है।

किसान परिवार में जन्मी बेटी ने शून्य से शिखर तक की यात्रा तय की : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक श्चुनौतियां मुझे पसंद हैंश के विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम जानकीपुरम स्थित एकेटीयू में आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र समेत कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे। स्वामी चिदानंद सरस्वती भी साथ में रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बक्शी का तालाब स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी रहीं। कार्यक्रम में पहुंचकर उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में महाकुंभ के बाद पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है जिसमें उपराष्ट्रपति का आगमन है। श्चुनौतियां मुझे पसंद हैंश पुस्तक राज्यपाल के जीवन पर आधारित महत्वपूर्ण कृति है। जीवन के हर पहलू को 14 अध्याय में संजोया गया है। जैसे समुद्र मंथन से 14 रत्न निकले थे, वैसा ही है। सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि किसान परिवार में जन्म लेकर शून्य से शिखर तक की यात्रा तय करना। किसी वैष्णव, किसान परिवार में सात दशक पहले कोई बेटी पढ़े, यह उस समय कल्पना थी। उस कल्पना को अपनी जिजीविषा से राज्यपाल ने आगे बढ़ाया। माता–पिता के संस्कार, संघर्ष से आगे बढ़ीं। एक शिक्षक, प्रधानाचार्य, मंत्री, सीएम अब राज्यपाल के रूप में उनके कार्यकाल एवं कार्यक्रमों को जानने का अवसर हम सभी को मिलता है। उनके स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। हमें उनका मार्गदर्शन मिले। महाकुंभ में उप राष्ट्रपति की उपस्थिति प्रेरणादायी रही सीएम ने आगे कहा कि अक्सर हम शिखर को देखते हैं, उसकी नींव बनाने की मेहनत को नहीं देखते हैं। यह किताब नई प्रेरणा होगी। महाकुंभ में उप राष्ट्रपति की उपस्थिति प्रेरणादायी रही। उन्होंने इसमें भागीदार बन नई ऊंचाई दी। आपकी और प्रधानमंत्री की प्रेरणा से महाकुंभ को वैश्विक स्तर तक पहुंचाया गया।

90 फीसदी पीडीए की एकजुटता मतलब सौ फीसदी जीत है : अखिलेश यादव

लखनऊ, (एजेंसी)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने जाति जनगणना कराने का जो फैसला लिया है यह खुशी की बात है। सरकार सामाजिक न्याय की दिशा में कुछ आगे बढ़ी है। ये तो शुरुआत है। यहां से सामाजिक न्याय की शुरुआत होती है। उन्होंने कहा कि चुनाव में अब धांधली न करें। ठीक तरह से जातीय जनगणना कराएं, सरकार गड़बड़ी न करे। ये लोग कुछ भी कर सकते हैं। अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार का यह निर्णय लेना इंडिया गठबंधन के एजेंडे की जीत है। देश संविधान से चलता है मन विधान से नहीं। आज सरकार जातीय जनगणना के लिए तैयार हो गई है। अब निजी संस्थाओं में नौकरी पर बहस चलेगी। श्रमिकों को बहुत बहुत बधाई। श्रमिक कई चुनौतियों से जूझ रहे हैं। अलग–अलग तरह के बाजार में श्रमिक हैं। भाजपा राज में सभी की चुनौतियां एक जैसी हैं। हमें आपको मशीन समझा जाता है। उत्पीड़न हो

रहा है। आउटसोर्स किया जा रहा है। मजदूरी में भी कमीशनखोरी हो गई। देश का डाटा निकलें तो 99 फीसदी मजदूर पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के होंगे। इस मौके पर अखिलेश यादव ने सपा में शामिल होने वाले नेताओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आज के दिन शंख बजा है तो परिवर्तन होना तय है। पीडीए हेल्पलाइन के बाद पीडीए डेटा सेंटर बना देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने सरकारी वेबसाइट से आकंड़े लिए और ग्राफ पेश किया तो सरकार को बुखार आ गया। खुद सामने न आकर अपने अधिकारी को आगे किया जो रिटायर होने वाले हैं। बहुत से जिले हैं जहां हमने डाटा जुटा लिया है जो बहुत शॉकिंग हैं। अखिलेश यादव ने सपा में शामिल होने वाले लाल चंद गौतम के बारे में कहा कि गौतम वो साथी हैं जिनकी वजह से भाजपा अपने एसी कमरों से निकल कर सड़कों पर आ गई। भविष्य में इस तरह का कोई काम न करें जिससे किसी को ठेस पहुंचे। हमने समझा दिया है अपने कार्यकर्ताओं को लेकिन क्या भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को समझाएगी कि महापुरुषो का सम्मान करना सीखें।

बिहार चुनाव को लेकर ओवैसी का बड़ा दावा, सक्रिय रूप से लड़ेंगे

बिहार, (एजेंसी)। बिहार चुनाव को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन औवेसी ने बड़ा दावा किया है। ओवैसी ने कहा कि सक्रिय रूप से लड़ेंगे, पहले से ज्यादा सीटें जीतेंगे। ओवैसी ने कहा कि हम बिहार चुनाव लड़ेंगे। हमने बहादुरगंज से अपना उम्मीदवार भी घोषित कर दिया है। 3 मई को बहादुरगंज में मेरी जनसभा है और 4 तारीख को दूसरी जगह पर। हम अच्छा लड़ेंगे और हमारे उम्मीदवार पिछली बार से भी ज़्यादा सफल होंगे और सीमांचल की जनता हमारे विधायकों को चुराने वालों को सबक सिखाएगी। ओवैसी ने आगे कहा कि जाति जनगणना होनी चाहिए ताकि पता चल सके कि कौन सी जाति विकसित है और कौन सी जाति अविकसित है। देश में सकारात्मक कार्रवाई और न्याय के लिए यह बहुत जरूरी है, क्योंकि आपने ओबीसी का आरक्षण सिर्फ 27: पर रोक दिया है, यह पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि हम भाजपा से जानना चाहेंगे कि आप इसे कब शुरू करेंगे और कब तक पूरा करेंगे। इसकी रिपोर्ट 2029 के संसदीय चुनाव से पहले आएगी या नहीं? ओवैसी ने कहा कि केरल में आरएसएस की बैठक हुई थी, उस बैठक में भी उन्होंने जाति जनगणना कराने की बात कही थी। हम जानना चाहते हैं कि सरकार जनगणना कब शुरू करेगी और कब पूरी होगी और इसका डेटा देश के सामने कब पेश किया जाएगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनगणना में जातिगत गणना को भी शामिल करने के केंद्र के फैसले का बुधवार को स्वागत करते हुए कहा कि इस निर्णय से देश में विकास को और गति मिलेगी। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने केंद्र के फैसले को समाजवादियों और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद की जीत बताया।

रामदेव किसी के वश में नहीं हैं, वह अपनी ही दुनिया में रहते हैं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को योग गुरु बाबा रामदेव को हमदर्द के रूह अफजा को निशाना बनाते हुए कथित तौर पर एक और वीडियो जारी करने के लिए फटकार लगाई। इससे पहले दिए गए निर्देशों के बावजूद, उन्होंने कथित तौर पर हमदर्द के उत्पादों को लेकर विवादास्पद शरबत जिहाद टिप्पणी की थी। इससे पहले अदालत ने उन्हें हमदर्द के उत्पादों को लेकर भविष्य में कोई बयान जारी नहीं करने या वीडियो साझा नहीं करने का आदेश दिया था। योग गुरु की आलोचना करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि रामदेव का किसी पर नियंत्रण नहीं है और वह अपनी ही दुनिया में रहते हैं, तथा उन्हें प्रथम दृष्टया अपने पिछले आदेश की अवमानना मानते हुए पाया। न्यायमूर्ति अमित बंसल को बृहस्पतिवार को सूचित किया गया कि अदालत के 22 अप्रैल के निर्देशों के बावजूद रामदेव ने आपत्तिजनक बयान देते हुए एक वीडियो प्रसारित किया है। इसके बाद उन्होंने कहा, ''पिछले आदेश के मद्देनजर, उनका हलफनामा और यह वीडियो प्रथम दृष्टया अवमानना घ्के अंतर्गत आता है। मैं अब अवमानना नोटिस जारी करूंगा। हम उन्हें यहां बुला रहे हैं।'' रामदेव के वकील ने अदालत से अनुरोध किया कि मामले की सुनवाई कुछ समय बाद की जाए, क्योंकि मामले में बहस

करने वाले वकील उपलब्ध नहीं हैं। इसके बाद, अदालत ने सुनवाई कुछ समय के लिए टाल दी। 'हमदर्द नेशनल फाउंडेशन इंडिया' ने विवादित टिप्पणी को लेकर रामदेव और उनकी 'पतंजलि फूड्स लिमिटेड' के खिलाफ याचिका दायर की है। अदालत ने पिछली बार कहा था कि 'हमदर्द' के रूह अफजा पर रामदेव की ''शरबत जिहाद'' वाली टिप्पणी अनुचित है और इसने उसकी अंतरात्मा को झकझोर दिया है, जिसके बाद योग गुरु ने आश्वासन दिया था कि वह संबंधित वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट तुरंत हटा देंगे।

जाति गणना को लेकर कांग्रेस का मोदी सरकार से सवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने गुरुवार को आगामी जनगणना में जाति गणना को शामिल करने के फैसले की घोषणा के बाद सरकार पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिना समय सीमा के सुर्खियां बनाने में माहिर हैं। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि इस फैसले को लेकर कई सवाल उठते हैं, खासकर सरकार की मंशा पर, और मांग की कि जनगणना जल्द से जल्द होनी चाहिए। पार्टी के 24, अकबर रोड स्थित कार्यालय में आयोजित एक बैठक में प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए रमेश ने कहा कि वह बिना समय सीमा के सुर्खियां बनाने में माहिर हैं। आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाने की मांग करते हुए रमेश ने पूछा कि मोदी सरकार को ऐसा करने से कौन रोक रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे राहुल गांधी ने कल कहा, हेडलाइन तो दे दी, लेकिन डेडलाइन कहां है? हमारे प्रधानमंत्री बिना डेडलाइन के हेडलाइन देने में माहिर हैं। 2025–26 में गृह मंत्रालय में जनगणना आयुक्त कार्यालय, जिसे जाति जनगणना कराने की जिम्मेदारी दी गई है, को बजट में 575 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। लेकिन 24 दिसंबर 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने कहा कि राष्ट्रीय जनगणना के लिए 8254 करोड़ रुपए की जरूरत है। तो, उद्देश्य और मंशा क्या है? सिर्फ हेडलाइन? इस बात पर जोर देते हुए कि आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा की बाधा को हटाया जाना चाहिए, रमेश ने पूछा कि मोदी सरकार को ऐसा करने से कौन रोक रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मांग करती है कि संविधान संशोधन होना चाहिए और आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना तभी सार्थक होगी जब ऐसा किया जाएगा। रमेश ने दिसंबर, 2019 की कैबिनेट बैठक की प्रेस विज्ञप्ति का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2021 में 8,254 करोड़ रुपये की लागत से भारत की जनगणना कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि उस प्रेस विज्ञप्ति में जाति गणना का कोई उल्लेख नहीं था। उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि यह जनगणना नहीं हुई है।

पहलगाम अटैक से जुड़ी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की जांच के लिए न्यायिक आयोग के गठन की मांग करने वाली जनहित याचिका दायर करने वाले वकीलों की कड़ी आलोचना की है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, ष्जिम्मेदार बनो। देश के प्रति तुम्हारा कुछ कर्तव्य है। क्या यही तरीका है.. कृपया ऐसा मत करो। कब से एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश ऐसे मुद्दों (आतंकवाद) की जांच करने के लिए विशेषज्ञ बन गए हैं? हम किसी भी बात पर विचार नहीं कर रहे हैं। कृपया आप जहां जाना चाहते हैं, वहां जाएं। जस्टिस सूर्यकांत ने आगे कहा, ष्यह वह महत्वपूर्ण समय है जब इस देश का हर नागरिक आतंकवाद से लड़ने के लिए हाथ मिला रहा है। ऐसी कोई प्रार्थना न करें जिससे किसी व्यक्ति का मनोबल गिरे। मामले की संवेदनशीलता को देखें।ष कुछ देर बहस करने के बाद वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। जम्मू–कश्मीर के तीन निवासियों द्वारा दायर याचिका में सर्वोच्च न्यायालय से केंद्र सरकार को आतंकवादी हमले पर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष जांच दल बनाने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया। याचिकाकर्ताओं – फतेह कुमार शाहू, मोहम्मद जुनैद और विक्की कुमार – ने केंद्र, जम्मू और कश्मीर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को केंद्र शासित प्रदेश के पर्यटक क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश देने की मांग की।

ममता बनर्जी ने बंगाल के दीघा में जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन किया

बंगाल, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर समुद्र तटीय शहर दीघा में नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन किया। बनर्जी ने तीन साल में मंदिर का निर्माण करने वाले श्रमिकों और इंजीनियरों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ''मैं उद्घाटन कार्यक्रम के लिए यहां आए सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहती हूं। उद्घाटन के लिए सभी धर्मों के लोग आए थे।'' अनुष्ठान के तहत बनर्जी ने मंदिर के अधिकारियों को सोने की झाड़ू भी भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले वर्षों में यह मंदिर एक प्रमुख तीर्थ स्थल के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा, ''आज के कार्यक्रम में पुजारी, सिख और बौद्ध समुदायों के साथ–साथ अन्य धर्मों के लोग भी मौजूद थे।'' बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दीघा में जगन्नाथ मंदिर के उद्घाटन के दौरान उन्हें जो भावनाएं महसूस हुईं, वे शब्दों से परे हैं। उन्होंने कहा, ''यह पवित्र स्थान हमारे 'मां, माटी, मानुष' का है, और इसे हिडको टीम, स्थानीय निवासियों, कलाकारों, उद्योगपतियों और राज्य भर के श्रद्धालुओं के सामूहिक प्रयासों से जीवंत किया गया है। भगवान जगन्नाथ का यह विनम्र निवास बंगाल की आत्मा को दर्शाता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक गौरवपूर्ण व स्थायी प्रतीक के रूप में खड़ा रहेगा।

जाति जनगणना की घोषणा पहलगाम आतंकवादी हमले से लोगों का ध्यान भटकने की कोशिश : संजय सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने जातिवार जनगणना को पहलगाम आतंकवादी हमले की घटना से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा अपनाया गया हथकंडा करार देते हुए दावा किया कि बिहार विधानसभा चुनाव होते ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार जातिवार जनगणना को भूल जाएगी। सिंह ने बुधवार रात जिले के पंडितपुरा गांव में संवाददाताओं से बातचीत में जातिवार जनगणना को लेकर केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, '' पूरा देश इंतजार कर रहा था कि आप (सरकार) पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर) को वापस लेने के लिए किस तरह से हमला करेंगे। आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने के लिए क्या करेंगे। पहलगाम में 26 निहत्थे और निर्दोष पर्यटक मारे गए और हमारी धरती पर आकर आतंकवादियों ने हमें चुनौती देने का काम किया है। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के खिलाफ आप क्या कार्रवाई करेंगे। ऐसे समय में सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए आप (सरकार) जातिवार जनगणना का विषय ले आए। उन्होंने कहा, हम जातिवार जनगणना के खिलाफ नहीं हैं। हम लोग शुरू से जातिवार जनगणना कराने की बात करते हैं, मगर आप (सरकार) ऐसे समय में जाति जनगणना लेकर आए हैं जिससे पाकिस्तान द्वारा समर्थित आतंकवाद की घटना से लोगों का ध्यान भटकाया जा सके। जनता आपसे सवाल न पूछे। सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने जातिवार जनगणना की घोषणा तो कर दी लेकिन यह नहीं बताया कि यह काम कितने समय में पूरा होगा। उन्होंने इसे बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर की गई कोरी घोषणा बताते हुए कहा, सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक पारित किया लेकिन इस आरक्षण को लागू करने की दिशा में एक इंच भी कार्रवाई नहीं हुई। उसी तरह सरकार जातिवार जनगणना की घोषणा कर रही है। उसके लिए ना तो बजट का आवंटन किया गया है और ना ही यह बताया जा रहा है कि कितने समय में यह जनगणना पूरी की जाएगी। सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा, सच्चाई यह है कि जब बिहार का विधानसभा चुनाव खत्म हो जाएगा तो सरकार जातिवार जनगणना को भी भूल जाएगी। यह सिर्फ जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश है। उन्होंने पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर भी मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, पहलगाम में दो हजार से अधिक लोग मौजूद थे। आतंकवादी आए और हत्या कर चले गए। यह खुफिया तंत्र और सुरक्षा एजेंसियों की विफलता है। सबसे पहले यह मोदी सरकार की विफलता है। इस पर सरकार को कोई जवाब देना चाहिए। जवाबदेही होनी चाहिए। कार्रवाई करनी चाहिए, मगर कुछ किया नहीं। प्रधानमंत्री तो इस मुद्दे पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक छोड़कर बिहार में चुनाव प्रचार कर रहे थे।

संपादकीय

न रहेगी फीस की टीस

निस्संदेह, सरस्वती के मंदिरों का व्यापार का केंद्र बनना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। नौकरियों में अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते अभिभावक अपना पेट काटकर बच्चों को महंगे पब्लिक स्कूलों में पढ़ाते हैं। लेकिन सीमित आय वर्ग वाले कर्मचारियों व आम लोगों का कष्ट तब बढ़ जाता है जब स्कूल प्रबंधन मनमाने ढंग से हर साल फीस बढ़ाने लगते हैं। दलील दी जाती हैं कि छात्रों को गुणवत्ता की शिक्षा देने और योग्य शिक्षकों के अच्छे वेतन हेतु फीस बढ़ाने की जरूरत होती है। सर्वविदित है कि निजी स्कूलों के शिक्षकों की तनख्वाह सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के मुकाबले काफी कम होती है। दरअसल, केवल स्कूल की फीस ही नहीं बढ़ती बल्कि तमाम अन्य मदों में अभिभावकों की जेब तराशने का सिलसिला सारे साल बदस्तूर चलता रहता है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिये अभिभावक भी फीस की टीस को बर्दाश्त करते हैं। लेकिन जब दिल्ली के स्कूल प्रबंधकों की मनमानी सीमा पार करने लगी तो अभिभावक विरोध में सड़कों पर उतर आये। दिल्ली सरकार भी हरकत में आई और आनन–फानन में फीस नियंत्रण के लिये एक विधेयक लाया गया। सभी के लिये किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का प्रमुख लक्ष्य रहा है। लेकिन इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के मार्ग पर एक बड़ी बाधा निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों का आर्थिक शोषण रहा है। मुख्य रूप से ये स्कूल पूरी तरह लाभ के लिये संचालित किए जाते हैं। दरअसल, इस मामले में जांच व नियमन का मजबूत तंत्र न होने का लाभ निजी स्कूल उठाते रहे हैं। जिसने शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर व्यावसायीकरण को बढ़ावा दिया है। ऐसे में दिल्ली सरकार की कैबिनेट का राष्ट्रीय राजधानी के सभी स्कूलों में फीस के नियमन को एक विधेयक को मंजूरी देना सुखद ही है। जिसके अंतर्गत उचित अनुमोदन के बिना फीस बढ़ाने पर दस लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। निश्चय ही दिल्ली सरकार की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। इससे उन अभिभावकों को राहत मिलेगी जो हर साल फीस बढ़ाए जाने से त्रस्त रहते हैं। बताया जा रहा है कि जल्दी ही विधानसभा में पेश किए जाने वाले इस विधेयक में स्कूलों के लिये जिला व राज्य स्तर पर समितियों के गठन का प्रस्ताव है। इनके पैनल द्वारा पारदर्शी व समयबद्ध तरीके से स्कूल प्रबंधन द्वारा फीस वृद्धि के प्रस्तावों की जांच की जाएगी। निस्संदेह, इस विधेयक का मकसद असहाय अभिभावकों को स्कूल प्रबंधन के मनमाने फैसलों से बचाना है। दरअसल, देखने में आया है कि स्कूल प्रबंधन से जुड़े अधिकारी मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोतरी करते रहते हैं। जो एक जबरन वसूली जैसा ही है, वजह है स्कूल के अधिकारियों के पास तमाम अधिकारों का होना। उल्लेखनीय है कि देश में गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने स्कूलों में फीस की संरचना को विनियमित करने के लिये कानून बनाये हैं। हालांकि, अकसर राज्य सरकारें इस मामले में खुद को अदालती लड़ाई में उलझा पाती हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान स्कूल फीस विनियमन अधिनियम, 2016 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है।

मेहनत के मूल्य और गरिमा के संघर्ष का प्रतीक

इंद्रजीत

हर साल दुनियाभर में मई दिवस मनाया जाता है। पिछले 140 साल से 1 मई को श्रमिक वर्ग सड़कों पर उतर कर जो संदेश देता है वह कोई रस्म अदायगी नहीं होती। अलबत्ता मेहनतकशों को मई दिवस पर यह अहसास करवाते देखा जा सकता है कि वे भी बतौर नागरिक उतने ही इस दुनिया के हकदार हैं जितना और कोई। बदकिस्मती से इस साल मई दिवस भारत के श्रमिकों को आतंकवाद के खात्मे के संकल्प के साथ पहलगाम की काली छाया में मनाना पड़ेगा। विगत में रोजी–रोटी के लिए जाने वाले प्रवासी मजदूर भी कश्मीर में आतंकवाद का शिकार हुए। आशा करें, शीघ्र स्थिति सामान्य हो, जिंदगी पटरी पर लौटे। महंगाई, बेरोजगारी और अन्य समस्याओं से श्रमिक और वेतनभोगी वर्ग आज बदहाल है। विश्व पूंजीवाद का अभूतपूर्व संकट महाशक्तियों के बीच हो रही खींचतान के रूप में सामने है। इस उठापटक के सबसे ज्यादा भुगतभोगी मजदूर, किसान और छोटे कर्मचारी बन रहे हैं। जिन विकसित देशों में पहले औद्योगिकरण हुआ उसके परिणामस्वरूप पहली बार जागरूक वर्ग के तौर पर मजदूर वर्ग अस्तित्व में आया। अमेरिका के शहर शिकागो में 1886 में हजारों मजदूरों ने अधिकतम 8 घंटे के काम की मांग को उठाते हुए एक स्थान पर एकत्रित होकर अपनी आवाज बुलंद की थी। भारत में पहली बार मई दिवस का आयोजन 1925 में तत्कालीन मद्रास में सिंगारावेलू चेट्टियार के नेतृत्व में आयोजित किया गया था जिसका संदेश ब्रिटिश साम्राज्य और पूंजीवाद से मुक्ति पाना था।

काफी लोग मानते आए हैं कि 1 मई के विरोध प्रदर्शन पर की गई पुलिस फायरिंग में 8 मजदूर शहीद हुए जिन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु यह दिवस मनाया जाता है। परंतु वास्तव में हुआ यह था कि 1 मई की सभा के दो दिन बाद 3 मई को उसी स्थान पर एक फैक्टरी में की गई तालाबंदी के खिलाफ हड़ताली मजदूरों की शांतिपूर्वक जारी सभा के अंत में षड्यंत्र के तहत किसी एजेंट ने पुलिस पर फायरिंग की जिसमें एक श्रमिक शहीद हो गया।

मजदूरों का नेतृत्व करने वाले 8 नेताओं पर मुकदमे दर्ज कर दिये गए और आनन–फानन में 6 श्रमिक नेताओं को फांसी दे दी गई। एक व्यक्ति को उम्रकैद की सजा दी और एक अन्य जेल में मृत पाया गया। मनघड़ंत अभियोग के कारण यह मुकदमा ऐतिहासिक माना जाता है। दरअसल, मुकदमे में नामजद किए गए 8 में से 6 श्रमिक नेता उस दिन घटनास्थल पर उपस्थित ही नहीं थे। जिस श्रमिक नेता की फांसी की सजा को उम्रकैद में तब्दील किया गया उसे 6 साल बाद इलीनोई के गवर्नर ने यह कह कर बरी कर दिया कि दंडित किए गए किसी भी अभियुक्त के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं थे। पूंजी और श्रम के बीच हितों के बुनियादी अंतर्विरोध ा के चलते अपने श्रम का उचित मूल्य मांगने वाले श्रमिकों में दहशत फैलाने के उद्देश्य से जो हिंसक और दमनकारी हथकंडे अपनाये जाते हैं वे आज भी असामान्य बात नहीं। आधुनिक जीवन सामाजिक उत्पादन से चलता है। उत्पादन करने वाले बुनियादी वर्ग मजदूर, किसान व अन्य वे लोग हैं जो अपनी मेहनत करके आजीविका चलाते हैं। इनके अलावा वे तबके जो सेवा क्षेत्र में काम करते हैं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, जनकल्याण आदि। सेवा क्षेत्र से सामाजिक उत्पादन संभव हो पाता है व समाज को बुलंदियों की ओर ले जाता है। नई तकनीक भी समाज के निरंतर व सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल होती है। जो भी प्रौद्योगिकी या तकनीक समाज विकसित करता है वह कष्टों को कम कर जीवन सुगम बनाने को करता है। विडंबना यह कि पूंजीवादी व्यवस्था में तकनीक के ऊपर पूंजीपति का नियंत्रण होने के कारण उसी तकनीक का प्रयोग न केवल श्रमिकों की संख्या घटाने और शोषण बढ़ाने में किया जाता है बल्कि श्रमिक को उत्पादन प्रक्रिया से हटाकर बेरोजगारी में धकेला जाता है। आज यह प्रक्रिया चरम पर है। देश में सकल उत्पादन में जो शुद्ध मूल्य वर्धन अर्जित होता है उसमें मालिकों के मुनाफे का अंश लगातार बढ़ रहा है और श्रमिकों या कर्मचारियों के वेतन का अंश घट रहा है। मुनाफे का हिस्सा 2020 में 38.7 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 51.9 प्रतिशत हो गया जबकि इसी अवधि में वेतन का हिस्सा 18.9 प्रतिशत से घटकर 15.9 प्रतिशत रह गया। इससे भयंकर आर्थिक विषमताएं पैदा हो गई हैं और भारत दुनिया का सबसे गैर–बराबरी वाला देश है। फिर भी श्रम कानूनों को तिलांजलि देकर कार्पोरेट परस्त चार श्रमघ संहिता (लेबर कोड) संसद में पास कर दिए गये। जो श्रमिकों यूनियनों के विरोध के कारण लागू नहीं हो सके। भयानक बेरोजगारी और आमदनी के घटने से लोगों की खरीद शक्ति बहुत कम हो गई है। बाजारों में ठहराव है। अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी और कार्पोरेट सेक्टर अपने मुनाफे को उच्चतम स्तर पर रखने के लिए श्रमिकों के वेतन व अन्य सुविधाओं में कटौती करने पर आमादा रहता है। वह रोजगार को अनौपचारिक और ठेका प्रथा पर ले आया है। इसके विपरित गुलामी प्रथा की ओर धकेला जा रहा श्रमिक वर्ग रोजगार की ऐसी परिस्थितियों के लिए संघर्ष की ओर बढ़ेगा जो न्यूनतम गरिमापूर्ण अस्तित्व के लिए पर्याप्त हों। यह अंतर्विरोध दुनियाभर में देखा जा सकता है। 90 प्रतिशत से भी अधिक श्रमिक आज भारत में असंगठित क्षेत्र में आते हैं जिनका हिस्सा लगातार बढ़ रहा है। इनमें परियोजना और 'गिग' वर्कर भी शामिल हैं। आज का मई दिवस किसान मजदूर एकता, परस्पर सद्भाव की भावना के पक्ष में और साम्राज्यवाद व कारपोरेट गठजोड़ आदि को चुनौती देते हुए अपने लिए एक गरिमामय जीवन का संदेश लिए हुए है।

बड़ी कीमत चुकानी होती है युद्ध की

पायल

पहलगाम में जिस तरह से धर्म पूछ–पूछकर, एक समुदाय के आतंकवादियों ने दूसरे समुदाय के लोगों की हत्या की, वह बेहद निंदनीय है। वह स्त्री जिसकी एक महीने पहले शादी हुई, वह जिसकी एक हफ्ते पहले शादी हुई और जान गंवाने वाले बाकी के लोग, उन्होंने किसका क्या बिगाड़ा था। कश्मीर में अरसे से इस तरह के हत्याकांडों को अंजाम दिया जा रहा है। जब से यह हत्याकांड हुआ है, केंद्र की सरकार ने बहुत से कूटनीतिक कदम भी उठाए हैं, जिनमें सिंधु जल समझौते को रोकना, पाकिस्तानियों को देश से निकालना, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को इस बारे में आगाह करना आदि बातें शामिल हैं। हालांकि, बहुत से दल और लोग सरकार की देरी पर सवाल उठा रहे हैं, उकसा रहे हैं। सरकार अगर सोच–समझकर निर्णय लेना चाहती है तो इसमें गलत क्या है।

इस घटना के बाद सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में एक तरफ तो कहा जा रहा है कि अभी के अभी फौरन युद्ध चाहिए। दूसरी तरफ लोग हर बात के लिए सरकार को दोषी ठहरा रहे हैं। ये चाहते हैं कि सरकार इनकी मांग पर युद्ध शुरू कर दे। पाकिस्तान और भारत के बयानवीर तरह–तरह के बयान दे रहे हैं। इस कठिनाई के समय किसी के भी द्वारा राजनीति की रोटियां सेकना बंद किया जाना चाहिए। जब से इराक, अमेरिका युद्ध का लाइव प्रसारण शुरू हुआ, तब से मीडिया के लिए युद्ध बहुत आकर्षक हो चला है। आखिर जो देश युद्ध में फंसे होते हैं, उनके घरेलू मोर्चे पर क्या होता है। पहली बात तो महंगाई इतनी बढ़ जाती है कि उसकी कल्पना करना मुश्किल है। काले बाजारियों की बन आती है। जरूरी चीजें रातों–रात बाजार से गायब हो जाती हैं। उन्हें मनमाने दामों पर बेचा जाता है। दवाइयों की बहुत किल्लत हो जाती है। आवागमन पर इसका बहुत प्रभाव पड़ता है। उदाहरण के तौर पर जैसे ही पहलगाम में लोगों को मारा गया, एयरलाइंस ने अपने किराए छह गुने बढ़ा दिए। सरकार ने उनसे किराया कम करने को कहा भी लेकिन एयरलाइंस कम्पनियां नहीं मानीं। जबकि कश्मीर की घटना के बाद कोई युद्ध नहीं शुरू हो गया था। ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि लोग इस डर से कि कहीं युद्ध हुआ अगर वक्त पर कोई सामान लड़ाई के कारण नहीं मिला तो भारी मात्रा में खरीददारी कर रहे हैं। लेकिन ऐसा वे ही कर सकते हैं, जिनकी जेब में अतिरिक्त पैसा है। जो रोजमर्रा की कमाई पर निर्भर हैं, वे क्या करेंगे। कोरोना के वक्त भी ऐसा ही हुआ था। महंगाई की मार हर वर्ग को झेलनी पड़ती है। उस मध्यवर्ग को तो ज्यादा ही जो इन दिनों फौरन युद्ध का समर्थन कर रहा है। आखिर युद्ध के वक्त सरकारों के पास पैसा कहां से आएगा, टैक्स के रूप में हमारी जेब से ही। सरकारों के पास अपनी आय तो होते नहीं। लोगों पर टैक्स लगाकर ही वह अपनी आय बढ़ाती है। जो देश भी युद्ध में फंसते हैं, उनकी आर्थिकी तबाह हो जाती है। तमाम दुनिया के देश और संस्थाएं सक्रिय हो जाती हैं। वे हर तरह से अपने लाभ–हानि का गणित बैठाते हैं। हथियारों के सौदागरों के लिए कोई भी लड़ाई, अपने मुनाफे का स्वर्णिम अवसर होता है। पश्चिमी देशों का दोमुखी रवैया जगजाहिर है। पाकिस्तान के संदर्भ में अक्सर हमने यह होते देखा है, जहां पाकिस्तान को वे खुद आतंकवाद से पीड़ित बताते रहे हैं। अब वे अभी उकसा रहे हैं, बाद में गायब भी हो जाएंगे। आपकी आफत है, आप खुद निपटिए। विदेशों में शांति फैलाने वाली संस्थाओं के एक हाथ में शांति का फूल होता है ।

..... विविध .....

बाहर निकला पेट करना है अंदर तो अपनाएं ये सुबह की 5 आदतें

आज के समय में फिट रहना और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना हर किसी की जरूरत बन गई है। खासकर पेट के आसपास जमा चर्बी न केवल आपकी पर्सनालिटी पर असर डालती है, बल्कि यह कई गंभीर बीमारियों की वजह भी बन सकती है। मोटापा, डायबिटीज, हार्ट डिजीज और हाई बीपी जैसी परेशानियां आमतौर पर पेट की चर्बी से ही जुड़ी होती हैं। अगर आप भी चाहते हैं कि आपका पेट अंदर रहे और शरीर चुस्त–दुरुस्त बना रहे, तो आपको सुबह की कुछ अच्छी आदतों को अपनाना शुरू करना चाहिए। यहां हम बता रहे हैं ऐसी 5 असरदार आदतें, जिन्हें रोज सुबह अपनाकर आप अपने पेट की चर्बी को धीरे–धीरे कम कर सकते हैं।

सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीने की आदत डालें

सुबह उठकर सबसे पहले खाली पेट गुनगुना पानी पीना एक बेहद कारगर आदत मानी जाती है। यह शरीर को डिटॉक्स करता है और मेटाबॉलिज्म को तेज करता है। जब मेटाबॉलिज्म तेज होगा, तो शरीर की फैट बर्निंग प्रक्रिया भी तेज होगी। आप चाहें तो इसमें थोड़ा नींबू का रस या शहद मिलाकर इसका असर और बढ़ा सकते हैं। यह छोटी सी आदत पेट की चर्बी घटाने में आपकी मदद कर सकती है, साथ ही त्वचा को भी हेल्दी बनाती है।

सुबह की वॉक या जॉगिंग जरूर करें

अगर आप पेट की चर्बी घटाना चाहते हैं, तो सुबह की सैर या जॉगिंग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। रोजाना कम से कम 30 मिनट की तेज वॉक या हल्की दौड़ करने से शरीर की अतिरिक्त कैलोरी बर्न होती है। वॉक करने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और पूरे शरीर में एनर्जी बनी रहती है। इससे न सिर्फ वजन कम होता है बल्कि मानसिक तनाव भी कम होता है। सुबह की ताजी हवा और शांत वातावरण में चलना मानसिक शांति भी देता है।

योग और प्राणायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं

योग और प्राणायाम ना सिर्फ शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी आपको फिट रखते हैं। पेट की चर्बी घटाने के लिए कपालभाति, अनुलोम–विलोम और सूर्य नमस्कार बहुत ही फायदेमंद माने जाते हैं। ये योगासन पेट की मांसपेशियों पर सीधा असर करते हैं और पाचन तंत्र को भी दुरुस्त करते हैं। हर सुबह सिर्फ 15–20 मिनट इन अभ्यासों को देने से आप कुछ ही हफ्तों में फर्क महसूस कर सकते हैं। शुरुआत में किसी योग गुरु की सलाह से करें, ताकि तकनीक सही हो और चोट का खतरा न हो।

प्रोटीन से भरपूर नाश्ता करें

कई लोग वजन घटाने के चक्कर में नाश्ता करना छोड़ देते हैं, जो कि बिल्कुल गलत है। सुबह का नाश्ता दिन का सबसे जरूरी भोजन होता है। प्रोटीन युक्त नाश्ता न केवल आपको दिनभर एनर्जी देता है, बल्कि शरीर के मेटाबॉलिज्म को भी एक्टिव बनाए रखता है। नाश्ते में आप अंडा, ओट्स, स्प्राउट्स, पनीर, या मूंग दाल का चीला शामिल कर सकते हैं। इस तरह का हेल्दी नाश्ता पेट को लंबे समय तक भरा रखता है और अनहेल्दी स्नैक्स खाने से रोकता है।

पानी से भरपूर फलों का सेवन करें

गर्मी के मौसम में शरीर को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी होता है। सुबह के नाश्ते के साथ या पहले आप ऐसे फल खा सकते हैं जिनमें पानी की मात्रा अधिक हो जैसे तरबूज, खीरा, संतरा। ये फल न सिर्फ शरीर को ठंडक देते हैं, बल्कि फाइबर से भरपूर होते हैं, जिससे पाचन सुधरता है और वजन कंट्रोल में रहता है। आप चाहें तो इन फलों का सलाद भी बना सकते हैं और स्वाद के लिए थोड़ा काला नमक और नींबू भी डाल सकते हैं।

पेट की चर्बी को कम करना कोई एक दिन का काम नहीं है, लेकिन सही आदतों को रोज अपनाकर आप इस लक्ष्य को जरूर हासिल कर सकते हैं। ये पांच आदतें न सिर्फ आपके पेट को अंदर करेंगी, बल्कि आपको शारीरिक और मानसिक रूप से भी स्वस्थ बनाए रखेंगी। आज से ही अपने रूटीन में इन बदलावों को शामिल करें और कुछ ही हफ्तों में अपने शरीर में सकारात्मक अंतर देखें।

सजना-संवरना पड़ सकता है भारी, मेकअप से हो सकती है ये गंभीर बीमारी

आजकल मेकअप सिर्फ फैशन नहीं बल्कि डेली लाइफ का हिस्सा बन गया है। खासकर महिलाओं के लिए ऑफिस, पार्टी या यात्रा के दौरान खूबसूरत दिखना जरूरी होता है, इसलिए वे वाटरप्रूफ मेकअप का इस्तेमाल करती हैं। ये मेकअप लंबे समय तक टिका रहता है और पसीना या पानी लगने पर भी खराब नहीं होता। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये वाटरप्रूफ मेकअप आपके हार्मोन बैलेंस को बिगाड़ सकता है?

हार्मोन असंतुलन क्या है?

जब शरीर में किसी हार्मोन की मात्रा बहुत ज्यादा या बहुत कम हो जाती है, तो उसे हार्मोन असंतुलन कहा जाता है। महिलाओं में इसके कारण पीसीओएस, थायराइड, वजन बढ़ना, अनियमित पीरियड्स, मूड स्विंग, नींद की दिक्कत और त्वचा व बालों की समस्याएं हो सकती हैं।

एक्सपर्ट्स क्या कहते हैं?

एक रिसर्च के अनुसार, हार्वर्ड पब्लिक स्कूल ने वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स पर स्टडी की जिसमें पाया गया कि इनमें हाई फ्लोरीन जैसे केमिकल्स पाए जाते हैं। ये केमिकल्स शरीर के हार्मोन्स जैसे एस्ट्रोजन और टेस्टोस्टेरोन को प्रभावित कर सकते हैं। लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर इससे बांझपन, हार्मोनल बीमारियां और यहां तक कि स्तन कैंसर का खतरा भी बढ़ सकता है।

1. फिनोक्सीएथेनॉल

इस केमिकल का इस्तेमाल मेकअप प्रोडक्ट्स को लंबे समय तक खराब होने से बचाने के लिए होता है। यह त्वचा के जरिए शरीर में जाकर एस्ट्रोजन जैसे हार्मोन की नकल करता है, जिससे शरीर की प्राकृतिक हार्मोन प्रक्रिया बाधित हो सकती है। रिसर्च में ये भी सामने आया है कि यह थायराइड ग्रंथि को भी प्रभावित कर सकता है।

2. पथेलेट्स

इनका इस्तेमाल मेकअप को सॉफ्ट और लचीला बनाने के लिए किया जाता है। खासकर DEHP और DBP नामक पथेलेट्स को टेस्टोस्टेरोन को कम करने से जोड़ा गया है। इससे पुरुषों में स्पर्म की गुणवत्ता और प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती है। महिलाओं में ये हार्मोनल बदलाव और गर्भधारण में दिक्कत पैदा कर सकता है।

3. पैराबेन्स

यह एक प्रिजर्वेटिव है जो काजल, लिपस्टिक, फाउंडेशन आदि में मिलाया जाता है। यह शरीर में जाकर एस्ट्रोजन रिसेप्टर्स को सक्रिय कर देता है, जिससे एस्ट्रोजन की मात्रा बढ़ जाती है। इसके कारण अनियमित पीरियड्स, मूड स्विंग, ब्रेस्ट में गांठ और कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

ये केमिकल खासतौर पर लोकल ब्रांड्स में ज्यादा मिलाए जाते हैं ताकि मेकअप ज्यादा आकर्षक लगे। लेकिन ये शरीर में जमा होकर प्रजनन हार्मोन्स को प्रभावित करते हैं और मेनोपॉज संबंधी दिक्कतों का कारण बन सकते हैं।

कैसे करें बचाव?

मेकअप प्रोडक्ट खरीदने से पहले उसकी सामग्री का लेबल जरूर पढ़ें।

जिन उत्पादों में ऊपर बताए गए केमिकल्स हों, उनसे बचें।

जब भी संभव हो, ऑर्गेनिक या नेचुरल प्रोडक्ट्स का ही इस्तेमाल करें।

त्वचा पर कम से कम केमिकल युक्त चीजें लगाएं।

खूबसूरत दिखने की चाह में हम अनजाने में अपने स्वास्थ्य से समझौता कर बैठते हैं। वाटरप्रूफ मेकअप भले ही सुवि धाजनक हो, लेकिन इसका लंबे समय तक लगातार इस्तेमाल नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए समझदारी से प्रोडक्ट चुनें और जहां तक हो सके, नेचुरल विकल्प अपनाएं।

किसने छिन ली Youth की खुशियां पहले की तुलना में रहते हैं ज्यादा उदास

भले ही आज के समय में तकनीक, सुविधाएं और विकल्प पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गए हैं, लेकिन फिर भी आज का युवा अक्सर तनाव, चिंता और असंतोष में घिरा रहता है। एक नए अध्ययन के अनुसार, दुनिया भर में 18 से 29 वर्ष की आयु के युवा वयस्क न केवल खुशी के साथ, बल्कि अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ भी संघर्ष कर रहे हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अध्ययन से पता चला है कि युवा वयस्क अपने स्वयं के चरित्र की धारणाओं, जीवन में अर्थ खोजने, अपने रिश्तों की गुणवत्ता और अपनी वित्तीय सुरक्षा के साथ संघर्ष कर रहे हैं।

इन देशों में हालात हैं ज्यादा खराब

2023 में गैलप द्वारा एकत्र किए गए डेटा को 20 से अधिक देशों में 200,000 से अधिक लोगों के स्व–रिपोर्ट किए गए सर्वेक्षणों से प्राप्त किया गया था और नेचर मेंटल हेल्थ पत्रिका में प्रकाशित किया गया था। अध्ययन के प्रमुख लेखक टायलर जे. वेंडरवील ने कहा– यह एक बहुत ही स्पष्ट तस्वीर है। निष्कर्ष एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाते हैंरू ष्क्या हम युवाओं की भलाई में पर्याप्त निवेश कर रहे हैं? यू.के., ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में यह स्थिति समान पाई गई। लेकिन युवा और वृद्ध वयस्कों के बीच अंतर यू.एस. में सबसे अधिक था, द न्यूयॉर्क टाइम्स ने शोधकर्ताओं का हवाला देते हुए रिपोर्ट की।

सामाज से दूर होते जा रहे हैं युवा

द टाइम्स ने अध्ययन के बारे में अपनी रिपोर्ट में कहा– अध्ययन से पता चलता है कि सामाजिक संबंध खुशी के लिए महत्वपूर्ण है, और युवा लोग एक दशक पहले की तुलना में दोस्तों के साथ कम समय बिता रहे हैं ष्इसके अलावा, सभी उम्र के लोगों की तरह, युवा लोग जलवायु से लेकर अर्थव्यवस्था और राजनीतिक ध्रुवीकरण तक, वैश्विक मुद्दों की एक पूरी श्रृंखला का सामना कर रहे हैं, । युवा हमेशा ष्कुछ बड़ा करने की दौड़ में लगे रहते हैं, जिससे मानसिक शांति नहीं मिलती।

करियर और भविष्य को लेकर अनिश्चितता

जॉब सिक्योरिटी, आर्थिक दबाव और अस्थिरता युवाओं को अंदर से कमजोर बना रही है। उन्हें लगता है कि वे पीछे छूट रहे हैं। वहीं डिप्रेशन, एंग्जायटी को आज भी समाज में गंभीरता से नहीं लिया जाता। युवा अक्सर खुद को अकेला और misunderstood महसूस करते हैं। लगातार मोबाइल, लैपटॉप और इंटरनेट से जुड़ाव से दिमाग को आराम नहीं मिलता ।

भारत के सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे यूपी में हैं - जगदीप धनखड़

लखनऊ, (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक श्चुनौतियां मुझे पसंद हैंश के विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम जानकीपुरम स्थित एकेटीयू में आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र समेत कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे। स्वामी चिदानंद सरस्वती भी साथ में रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बक्शी का तालाब स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी रहीं। कार्यक्रम में पहुंचकर उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद पुस्तक का विमोचन किया।

राज्यपाल इतनी सरल नहीं हैं.. जितनी दिखती हैं

इस मौके पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आनंदी बेन पटेल नाम ही काफी है। जिस प्रदेश में वह शिक्षक रहीं, मंत्री रहीं और मुख्यमंत्री रहीं। आज उस प्रदेश का स्थापना दिवस है। आज श्रमिक दिवस भी है। इस दिन को उनके जीवन पर आधारित पुस्तक का विमोचन रखा गया। यह कितना सोच समझकर किया गया होगा। आनंदी बेन इतनी सरल नहीं हैं, जितनी दिखती हैं।

उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश है। सीएम योगी को युवा कहा जा सकता है। आज युवा की परिभाषा समझ नहीं आती है। यूपी आज साल बेमिसाल के लायक है। यहां महाकुंभ सबसे बड़ा आयोजन हुआ। इसमें 60 करोड़ से ज्यादा लोगों का आना और सफलतम आयोजन होना, सदियों तक याद रहेगा।

सीएम उत्तम प्रदेश के सारथी हैं। आपका भी आकलन आसान नहीं है। आठ साल में यूपी को बिना टैक्स के ही 12 लाख करोड़ से 30 लाख करोड़ तक ले गए। यह हर अर्थशास्त्री के लिए अचंभा है। प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है। भारत के सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे यहां है। आपके यहां छह शहरों में मेट्रो है।

विपक्ष से राजनीतिक औजार छीनने की कोशिश है जातीय जनगणना का फैसला

लखनऊ, (एजेंसी)। पहलगाम के आतंकी हमले की तपिश अभी शांत नहीं हुई है कि मोदी सरकार ने विपक्ष से एक अहम राजनीतिक औजार छीनने का दांव चल दिया। अपने जन्म से ही सपा और बसपा का नारा है—जिसकी जितनी भागीदारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी। कांग्रेस से यह मुद्दा हथियाने की रणनीति और लोकसभा चुनाव के परिणामों से भाजपा में भी अंदरखाने जातीय जनगणना कराने की मांग उठ रही थी। केंद्र सरकार के एकाएक लिए जातीय जनगणना कराने के फैसले का लिटमस टेस्ट भी बिहार चुनाव में हो जाएगा। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव सदन के अंदर और बाहर, जातीय जनगणना के समर्थन पर हमेशा मुखर रहे। बसपा संस्थापक कांशीराम की 1982 में आई चर्चित पुस्तक चमचा युग में भी शुरू से लेकर अंत तक भागीदारी का प्रश्न प्रमुखता से उभरकर सामने आया। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के साथ मिलकर सपा ने जातीय जनगणना का राजनीतिक मुद्दे के रूप में बखूबी प्रयोग किया। इधर, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तो यहां तक कहना शुरू कर दिया कि यूपी में जिलेवार पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) और गैर पीडीए अधिकारियों का डाटा जारी करेंगे। कई जिलों में तो सपा ने इसके आंकड़े भी जारी कर दिए।

जातीय जनगणना के पक्ष में आवाज बुलंद करती रहीं हैं मायावती बसपा प्रमुख मायावती भी अपने

बचे वोट बैंक की रखवाली के लिए गाहे—बगाहे जातीय जनगणना के पक्ष में आवाज बुलंद करती रही हैं। लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा नेतृत्व को भी लगने लगा कि यह मुद्दा जनता में असर दिखा रहा है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी कई बार सदन और उसके बाहर यह कह चुके हैं कि वे जातीय जनगणना के खिलाफ नहीं हैं। एक ऐसे समय में जब पहलगाम आतंकी हमले को लेकर वाक वीरों की संख्या बेतहाशा बढ़ गई है, जातीय जनगणना का फैसला राजनीतिक बहस के केंद्र बिंदु को बदलने का काम भी करेगा।

अपने खिलाफ कोई धारणा बनने देना नहीं चाहती भाजपा

जेएनयू के सेवानिवृत्त शिक्षक और समसामयिक राजनीतिक मामलों के विशेषज्ञ प्रो. रवि कुमार कहते हैं कि भाजपा की राजनीति का सकारात्मक पक्ष यह है कि वे अपने खिलाफ कोई धारणा बनने देना नहीं चाहती। आम जनता में यह संदेश जा रहा था कि जातीय जनगणना न कराकर भाजपा ओबीसी हितों की अनदेखी कर रही है। इससे पहले कृषि कानूनों को भी भाजपा ने इसी सोच के साथ वापस ले लिया था।

संक्षिप्त समाचार

बाग में मिला मजदूर का शव, सिर और शरीर पर मिले चोट के निशान

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बाराबंकी में बुधवार रात एक ईंट भट्ठा मजदूर का शव संदिग्ध हालात में बाग में पुआल के ढेर में पड़ा मिला। खबर फैली तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। मृतक पहचान प्रत्यूष (22) निवासी मांडव सिली, थाना नयापारा, जनपद नयापारा (उड़ीसा) के रूप में हुई है। घटना रामनगर थाना क्षेत्र के ददौरा गांव की है। यहां प्रत्यूष अपने साथी छोटू मांझी के साथ गांव में चल रहा मेला देखने गया था। रात 9 बजे तक वह वापस नहीं लौटा। इस पर घरवालों ने खोजबीन शुरू की। खोजबीन के दौरान रात करीब 9:30 बजे उसका साथी छोटू भागते हुए आया। छोटू ने बताया कि गांव से करीब 500 मीटर दूर एक बाग में प्रत्यूष का शव पड़ा है। सिर व शरीर पर मिले चोट के निशान इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर सीओ गरिमा पंत पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। उन्होंने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। प्रत्यूष के सिर के पीछे गहरे घाव के निशान मिले हैं। इसके साथ ही शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोट के निशान थे। पुलिस साथी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है प्रथम दृष्टया हत्या किए जाने का मामला लग रहा है। कुछ लोगों ने प्रेम–प्रसंग में हत्या किए जाने की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इसके साथ ही साथी छोटू को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

निजी स्कूल की बस ने छात्र को रौंदा मौके पर मौत, छात्रों ने सड़क जाम कर किया हंगामा

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सीतापुर में गुरुवार की सुबह एक निजी स्कूल की बस ने साइकिल सवार छात्र को टक्कर मार दी। हादसे

में छात्र शौर्य वर्मा (10) निवासी कंजाभारी, महमूदाबाद की मौके पर ही मौत हो गई। वह कक्षा चार में पढ़ता था। खबर मिली तो स्कूल के अन्य छात्र भागकर पहुंचे। वह सड़क पर बैठकर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। घटना महमूदाबाद मार्ग पर रेलवे क्रासिंग के आगे पटेल नगर के पास की है। जानकारी मिली तो परिजन एवं ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे। आक्रोशित ग्रामीणों ने छात्रों के साथ सड़क जाम कर दी। सूचना पर सीओ वेद प्रकाश श्रीवास्तव, इंस्पेक्टर अनिल सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

मां हमारी नहीं रह जाती सबकी हो जाती हैं, अनार पटेल का भावुक कर देने वाला भाषण

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक श्चुनौतियां मुझे पसंद हैंश के विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम जानकीपुरम स्थित एकेटीयू में आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र समेत कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे। स्वामी चिदानंद सरस्वती भी साथ में रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बक्शी का तालाब स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी रहीं। कार्यक्रम में पहुंचकर उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद पुस्तक का विमोचन किया।

कानून व्यवस्था के लिए सीएम योगी ने बहुत काम किया– अनार पटेल

इस मौके पर राज्यपाल की बेटी अनार बेन पटेल ने कहा कि कार्यक्रम के तय होते की उप राष्ट्रपति का नाम आया। मां ने हमेशा आपको एक भाई की तरह देखा है। उप राष्ट्रपति भवन में परिवार की तरह प्यार मिला। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने बहुत काम किया है। पहले शाम 7 बजे के बाद निकल नहीं सकते थे। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री के सपने को आगे बढ़ाया है। इसके साथ ही चिदानंद सरस्वती भी आशीर्वाद देने यहां आए हैं। सतीश महाना ने विधान सभा में काफी बदलाव किया है। मां हमारी नहीं रह जातीं... सबकी हो जाती हैं। यह किताब कोई कहानी नहीं बल्कि सबके लिए प्रेरणा है। उन्होंने क्रम से मां के तीन गुण विस्तार से बताएं। आत्मबल, हर स्थिति से लड़ते देखा। कभी रोते नहीं देखा है। बाल विवाह को रुकवाया है सख्ती के साथ। जिम्मेदारी के प्रति समर्पण, हमारे सपने बड़े और छोटा पद मिल गया। मां को जो जिम्मेदारी गंभीरता से निभाया है।

संबंध... संबंध में स्वार्थ नहीं रखने का संदेश देती है। इंसान के लिए हमेशा खड़े रहो। स्वार्थ लंबा नहीं चलता है। अब तो पर दादी भी बन गई है। मां पर गर्व है।

राज्यपाल ने अपनी मेहनत से पढ़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे का संदेश दिया

इस अवसर पर चिदानंद सरस्वती ने कहा कि मुझे चुनौतियां पसंद हैं। चुनौतियां हमें पसंद करें यह बड़ी बात है। इन तीनों ने चुनौतियों में खड़े रहकर बेहतर किया। आपदा को अवसर बना दिया।

संक्षिप्त समाचार

बाघ ने किसान पर किया हमला हालत गंभीर, क्षेत्र में फैली दहशत

लखनऊ, (संवाददता)। यूपी के सीतापुर में बृहस्पतिवार की सुबह बाघ ने एक किसान पर हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग भागकर पहुंचे। लाठी–डंडा लेकर ग्रामीणों ने शोर मचाया तो बाघ जंगल की ओर भागा। घटना लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के निबौरी गांव की है। बाघ के भागने के बाद ग्रामीणों की मदद से घरवालों ने घायल किसान को अस्पताल पहुंचाया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। लोग बच्चों, बुजुर्गों को घर से निकालने में डर रहे हैं।

बाइक सवार पर पलटा मौरंग लदा ट्रक, मौके पर युवक की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के रायबरेली में बृहस्पतिवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यहां ओवरलोड मौरंग लदा ट्रक बाइक सवार पर पलट गया। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। हादसा लालगंज कोतवाली क्षेत्र में रायबरेली रोड स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास हुआ। यहां कानपुर रोड स्थित राजपति नगर मोहल्ला निवासी नितिन धानुक (25) अपने भाई विपिन, गुलशन और फुफेरे भाई मनीष उर्फ जतिन के साथ टेंट का काम निपटाकर बाइक से घर लौट रहा था। किनारे से बाइक निकालने की कर रहा था कोशिश रेलवे क्रॉसिंग के पास पुलिया निर्माण

का काम चलने के कारण जाम लगा था। रोड के दोनों तरफ वाहनों की कतारें लगी थीं। इससे बाइक में बैठे तीनों युवक उतर गए। नितिन बाइक लेकर किनारे से निकालने की कोशिश करने लगा। इसी समय सामने से आ रहा ओवरलोड मौरंग लदा ट्रक असंतुलित होकर नितिन पर पलट गया। इससे नितिन ट्रक के नीचे दब गया। जब तक उसे निकाला जाता, उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को हटवाकर यातायात बहाल कराया सूचना पर पहुंची पुलिस ने हाइड्रा बुलवाकर ट्रक को हटवाया। बताया गया कि मृतक चार भाइयों में सबसे बड़ा था। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ग्रामसभा सुल्तानपुर आइमा में राधा-कृष्ण मंदिर का लोकार्पण, भव्य शोभायात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

रायबरेली। ग्रामसभा सुल्तानपुर आइमा में मंगलवार को एक भव्य राधा–कृष्ण मंदिर का लोकार्पण हर्षोल्लास और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। मंदिर का निर्माण अमित द्विवेदी (निवासी एम्स, रायबरेली) द्वारा अपने माता–पिता की प्रेरणा से कराया गया। कार्यक्रम में पूजा–अर्चना, भजन–कीर्तन और शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर श्रद्धालु पीले वस्त्र पहनकर भगवान की झांकियों के साथ नृत्य करते हुए निकले। राधा–कृष्ण की मोहक झांकियां, भजन मंडली और भक्तिरस से भरे आयोजन ने पूरे क्षेत्र को भक्ति के रंग में रंग दिया। श्री अमित द्विवेदी अपने परिवार के साथ पूरे कार्यक्रम में सक्रिय रहे। कार्यक्रम में सिटी मोंटेसरी स्कूल, लखनऊ के मुख्य कार्याधिकारी श्री अनिल द्विवेदी अपनी पत्नी अनामिका द्विवेदी और पुत्र अर्जुन द्विवेदी के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने विधिवत पूजन कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस धार्मिक आयोजन ने ग्रामसभा में एक नई आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया। स्थानीय लोगों ने श्री अमित द्विवेदी के इस कार्य की सराहना की और कहा कि यह मंदिर अब ग्राम का प्रमुख आस्था केंद्र बनेगा।

डंपर और बोलेरो में आमने–सामने की भिड़ंत, दो लोगों की मौत पांच घायल लखनऊ एयरपोर्ट जा रहे थे

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बाराबंकी में गुरुवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार डंपर और बोलेरो में आमने–सामने की टक्कर हो गई। इसमें बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा रामनगर थाना क्षेत्र के बाराबंकी–बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर दलसराय गांव के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, बहराइच जिले के आलिया बुलबुल गांव निवासी छह लोग बोलेरो से लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट जा रहे थे। दलसराय गांव के पास सामने से आ रहे डंपर से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में बोलेरो चालक जामिद अली और सवारी सुमैया की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, मोहम्मद अली, साजिदा, रेहाना समेत अन्य पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया। यहां हालत नाजुक देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। उधर, टक्कर के बाद अनियंत्रित डंपर हाईवे किनारे स्थित एक इमारत में जा घुसा। इससे वेल्डिंग शॉप क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के चलते हाईवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद गाड़ियों को किनारे कराया। इसके बाद यातायात बहाल हो सका।

प्लॉट के नाम पर 12 लोगों से 2.84 करोड़ ठगे

लखनऊ। रियल एस्टेट फर्म वसुंधरा लोटस के सीएमडी सुधीर सिंह के खिलाफ गोसाईंगंज थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज हुई है। आरोप है कि सुल्तानपुर रोड पर आवासीय योजना में प्लॉट का झांसा देकर सुधीर ने 12 लोगों से 2.84 करोड़ रुपये हड़प लिए। मूलरूप से गाजीपुर के भवरपुर निवासी दिवाकर नाथ राय के मुताबिक वर्ष 2018 में प्लॉट खरीदने के लिए हजरतगंज के अशोक मार्ग स्थित वसुंधरा लोटस इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड में संपर्क किया था। सीएमडी सुधीर सिंह और अन्य लोगों से हुई बातचीत में प्लॉट की कीमत 6.56 लाख रुपये बताई गई थी। पीड़ित ने प्लॉट बुक कर 25 प्रतिशत एडवांस 1,64,062 रुपये चेक से दिए थे। कंपनी ने 30 माह बाद रजिस्ट्री करने का आश्वासन दिया था। उन्होंने किस्तों में 2.93 लाख रुपये जमा किए थे। तय समय बाद संपर्क करने पर सुधीर ने टालमटोल शुरू कर दी। रुपये वापस मांगे तो आनाकानी की गई। पीड़ित ने बताया कि उनके अलावा गाजीपुर के पीयूष राय से 57 लाख रुपये, मुक्तेश्वर राय 55 लाख रुपये, मनोज चौरसिया से 49.57 लाख रुपये, मऊ के संदीप कुमार राय, बलिया निवासी अवनीश कुमार राय से 5.70 लाख, बिहार के पवन कुमार से 2.81 लाख रुपये, गाजीपुर के राजेश कुमार राय व उनकी पत्नी श्वेता राय से पांच लाख, उदय प्रकाश यादव से 3.50 लाख, अंजू चौरसिया से 47.28 लाख रुपये और गाजीपुर के हनुमान सिंह यादव से 55.45 लाख रुपये ठगे हैं। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने एसीपी गोसाईंगंज ऋषभ रूढ़वाल से शिकायत की थी।

आतंकी हमले के विरोध में निकाली पदयात्रा

लखनऊ। पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों की मौत का आक्रोश अभी भी कम नहीं हुआ है। बुधवार को भी पाकिस्तान और आतंकवाद विरोध में प्रदर्शन जारी रहा। इस दौरान पाकिस्तान का पुतला फूंका गया और पाकिस्तान का झंडा सड़क पर चस्पा कर प्रदर्शनकारियों ने नाराजगी जताई। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर की अगुवाई में परिवर्तन चौक स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा से जीपीओ स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा तक मोमबत्ती पदयात्रा निकाली गई। कौशल किशोर ने कहा, धर्म पूछकर लोगों को मारा जाना सुनियोजित कृत्य था। इस मौके पर विधायक अमरेश कुमार, विधायक जयदेवी कौशल, प्रभात किशोर, भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विकास किशोर, ब्लाक प्रमुख निर्मल वर्मा आदि मौजूद रहे।

एससी–एसटी आयोग के अध्यक्ष ने दिए एफआईआर के निर्देश, बाबा साहब के साथ अखिलेश के चेहरे के कोलाज का मामला

लखनऊ, (संवाददाता)। अनुसूचित जाति व जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने बाबा साहब के साथ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के चेहरे का कोलाज लगाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए पुलिस आयुक्त लखनऊ को पत्र लिखकर निर्देश दिया कि वे दोषियों के विरुद्ध एससी–एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करें। साथ ही की गई कार्रवाई से आयोग को 5 मई तक अवगत कराएं। रावत ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सपा की लोहिया वाहिनी विंग की होर्डिंग में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की आधी तस्वीर काटकर उस हिस्से में अखिलेश यादव की तस्वीर लगाना बाबा साहब का घोर अपमान और एक निंदनीय कार्य है। यह एससी–एसटी की आस्था के साथ खिलवाड़ है। बाबा साहब का यह अपमान यह समाज सहन नहीं करेगा। सपा ने हमेशा बाबा साहब और दलितों का अपमान किया है। सपा को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। डॉ. भीमराव आंबेडकर की फोटो से छेड़छाड़ के मामले को लेकर बुधवार को भाजपा कार्यकर्ता सड़क पर उतर पड़े। कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का पुतला फूंककर विरोध जताया। शहर के आंबेडकर चौराहा स्थित बाबा साहब की प्रतिमा के सामने भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप की अगुवाई में जोरदार प्रदर्शन किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि सपा लोहिया वाहिनी की ओर से बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की फोटो से छेड़छाड़ कर अखिलेश यादव के चेहरे में जोड़ा गया है। जिससे बाबा साहब का अपमान हुआ है। भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिला संयोजक नंदकिशोर नंदू ने कहा कि अखिलेश यादव को बाबा साहब के बराबर दर्शाने का प्रयास किया गया है। संविधान के निर्माता व भारत रत्न बाबा साहब का अपमान करने का किसी को भी हक नहीं है। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्र, जिला उपाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, मनोज पांडेय, राजेश राय चंदानी, अनुपम प्रकाश मिश्र, संदीप पांडेय, नीरज मौर्य, विवेक मणि श्रीवास्तव, जिला मंत्री विनय शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी राघवेंद्र ओझा पद्दू, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष बीना राय राजभर, प्रिंस चौरसिया आदि मौजूद रहे।

अलग–अलग आरोपों में 15 डॉक्टरों पर कार्रवाई, नशा करने में निलंबित

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में ड्यूटी के समय नशा करने व राष्ट्रीय कार्यक्रमों में दिलचस्पी न दिखाने समेत अन्य आरोपों में मऊ स्थित सीएचसी रतनपुरा स्थानांतरणाधीन सीएचसी मझवारा के अधीक्षक डॉ. भैरव कुमार पांडेय को निलंबित कर दिया गया है। उन्हें आजमगढ़ के अपर निदेशक मंडल कार्यालय से संबद्ध किया गया है। इसके अलावा 14 अन्य डॉक्टरों पर भी कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर की गई है। इसी तरह भदोही के ज्ञानपुर स्थित महाराजा चेत सिंह जिला चिकित्सालय में तैनात फिजीशियन डॉ. प्रदीप कुमार यादव के खिलाफ प्राइवेट प्रैक्टिस की शिकायत मिली थी। जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर उनकी दो वेतन वृद्धियां स्थायी रूप से रोक दी गई हैं। वहीं, स्वास्थ्य महानिदेशालय में संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील वर्मा पर वित्तीय अनियमितता के गंभीर आरोप लगे हैं। यह आरोप औरैया में चिकित्साधिकारी रहने के दौरान के हैं। इस संबंध में निदेशक (प्रशासन) को जांच के आदेश दिए गए हैं। साथ ही आरोप पत्र देकर विभागीय कार्रवाई के निर्देश प्रमुख सचिव को दिए गए हैं। डिप्टी सीएम ने प्रमुख सचिव को विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए इसके अलावा पांच अन्य चिकित्साधि

कारियों के खिलाफ भी डिप्टी सीएम ने प्रमुख सचिव को विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए हैं। इन डॉक्टरों पर रोगियों की चिकित्सा में लापरवाही, अनधिकृत रूप से अनुपस्थिति, अनुशासनहीनता शामिल है। इनमें कुशीनगर कप्तानगंज सीएचसी के डॉ. रितेश कुमार सिंह, कानपुर नगर स्थित केपीएम नगरीय पीएचसी में तैनात डॉ. दीप्ती गुप्ता, गोरखपुर गोला सीएचसी के डॉ. तनवीर असलम अंसारी, मैनपुरी बरनाहल सीएचसी की दंत शल्यक डॉ. अकांक्षा पनवार व हरदोई कछौना सीएचसी की डॉ. रखशिंदा नाहिद शामिल हैं। डिप्टी सीएम ने दो लापरवाह चिकित्साधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें ललितपुर के जखौरा सीएचसी के अधीक्षक डॉ. समीर प्रधान और बुलंदशहर सीएमओ के अधीन डॉ. पूनम सिंह शामिल हैं। मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा शिक्षकों के खिलाफ भी कार्रवाई

बांदा राजकीय मेडिकल कॉलेज के दो डॉक्टरों पर भी कार्रवाई की तलवार लटक रही है। इसमें सर्जरी विभाग के 2 सहायक आचार्यों डॉ. अनूप कुमार सिंह व डॉ. सोमेश त्रिपाठी शामिल हैं। जबकि कुशीनगर स्वशासी मेडिकल कॉलेज में गायनी विभाग की डॉ. रुचिका सिंह के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उधर, शाहजहांपुर स्वशासी मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. अभय कुमार सिन्हा और वर्तमान प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार विरुद्ध विभागीय कार्रवाई होगी। इन पर सेवा प्रदाता फर्म से साठगांठ करके अनुचित रूप से लाभ दिये जाने के आरोप हैं।

999 क्विंटल गेहूं का अवैध भंडारण पकड़ा गया, चार व्यापारियों पर कार्रवाई के निर्देश

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर। जिले में खाद्यान्न के बड़े भंडारणकर्ताओं के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। तहसीलों में हुए औचक निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने चार गोदामों में कुल 999.7 क्विंटल गेहूं और अन्य खाद्यान्न का अवैध भंडारण पकड़ा। साथ ही लाखों रुपये का शुल्क बकाया पाया गया। जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने संबंधित अधिकारियों को दोषियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।लंभुआ तहसील में ज्वाइंट मजिस्ट्रेटध्उपजिलाधिकारी गामिनी सिंगला ने जीआर ट्रेडिंग कंपनी, शिवगढ़ और बरनवाल एंड ब्रदर्स, लंभुआ का निरीक्षण किया। जीआर ट्रेडिंग कंपनी में 929.7 क्विंटल गेहूं का अवैध भंडारण मिला, जबकि बरनवाल एंड ब्रदर्स के गोदाम में 44 क्विंटल गेहूं, 220 क्विंटल चावल, 1 क्विंटल महुआ और 9 क्विंटल मसूर बिना शुल्क के रखा गया था। दोनों इकाइयों ने निर्धारित शुल्क जमा नहीं किया है।जयसिंहपुर तहसील में उपजिलाधिकारी शिव प्रसाद ने देव ट्रेडर्स पीढ़ी और मां अन्नपूर्णा गल्ला भंडार का निरीक्षण किया। देव ट्रेडर्स में 4 क्विंटल गेहूं और मां अन्नपूर्णा गल्ला भंडार में 22 क्विंटल गेहूं अवैध रूप से रखा गया था। इन इकाइयों पर क्रमशः घ्69,955 और घ्72,356 शुल्क बकाया है।वहीं,बल्दीराय तहसील में उपजिलाधिकारी मंजुल मयंक द्वारा जय मां दुर्गा एग्रो इंडस्ट्रीज, बड़ाडॉड कुंवासी का निरीक्षण किया गया, जहां कोई अनियमितता नहीं पाई गई।डीएम ने स्पष्ट किया कि अवैध भंडारण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

इसौली विधायक ने किया सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण

ब्यूरो चीफ . आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर। इसौली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हलियापुर–सुल्तानपुर मार्ग के नवीनीकरण कार्य की शुरुआत हो चुकी है। क्षेत्र भ्रमण के दौरान इसौली विधायक मोहम्मद ताहिर खान ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर संतोष जताते हुए कहा कि लेपन कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जा रहा है।लोक निर्माण विभाग के निर्माण खंड–3 द्वारा इस सड़क का पुनर्निर्माण कार्य कराया जा रहा है,जिसकी कुल लंबाई 22 किलोमीटर है और इस पर लगभग 922 लाख रुपये की लागत आएगी।विधायक मोहम्मद ताहिर खान ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से निर्माण प्रक्रिया की जानकारी ली और निर्देश दिए कि कार्य की गुणवत्ता में कोई समझौता न हो। निर्माण कार्य की निगरानी कर रहे जेई जितेंद्र कुमार बिंद ने बताया कि कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा में पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में समर्थ पोर्टल के माध्यम से होंगे प्रवेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में संचालित कोर्सों में सत्र 2025–26 में समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्रवेश हेतु पंजीकरण प्रारंभ हो गया है. कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में शुक्रवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने परिसर में चल रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए "समर्थ पोर्टल" पर आवेदन फॉर्म लॉन्च किया. विश्वविद्यालय में पहली बार समर्थ पोर्टल से प्रवेश होंगे. पाठ्यक्रमों की उपलब्ध सीटों के सापेक्ष इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के पात्रता परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते है. विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर के 20, परास्नातक स्तर के 26 एवं डिप्लोमा के 5 पाठ्यक्रमों में पीयू कैट 2025 के माध्यम से प्रवेश होंगे. इस वर्ष 9 नए आधुनिक पाठ्यक्रम भी प्रारंभ हो रहे हैं, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) हैं, वास्तु शास्त्र में डिप्लोमा, वैदिक ज्योतिष शास्त्र डिप्लोमा, वैदिक कर्मकांड डिप्लोमा, एल. एल. एम., एम.सी.ए इन्टीग्रेटेड जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं. ऑनलाइन आवेदन 10 जून तक स्वीकार किए जाएंगे. समर्थ पोर्टल के माध्यम से छात्र ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, फीस भुगतान, दस्तावेज अपलोड, मेरिट सूची एवं सीट आवंटन जैसी सभी प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी रूप से पूरा कर सकेंगे. छात्र हेल्प डेस्क के माध्यम से ऑनलाइन सहायता भी प्राप्त कर सकते हैं.उक्त से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी,संचालित विषयों का विवरण एवं उपलब्ध सीटों की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट अइेचन.ब.पद पर उपलब्ध है.ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए शुभारम्भ अवसर पर रजिस्ट्रार महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह, पीयूकैट के अध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर, समन्वयक प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. अरुण सिंह, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, नोडल अधिकारी डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डी.आर. बबीता सिंह, अमृत लाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे.

आधुनिक जीवन शैली जनित रोगों के उपचार एवं प्रबंधन हेतु निरूशुल्क योग शिविर का आयोजन होगा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग,फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन को मोरारजी देसाई राष्ट्रीय संस्थान आयुष मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 के आयोजन के क्रम में दिनांक 29 मई2025 को योग उत्सव कार्यक्रम आयोजित करने हेतु अधिकृत किया है। संकाय के कोआर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने बताया कि यह आयोजन विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर के क्रीड़ा स्थल पर होगा कार्यक्रम के दौरान प्रातः 6:30 बजे कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास योग विशेषज्ञों के द्वारा कराया जाएगा। इस कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा राजस्थान राज्य के योग विशेषज्ञों द्वारा योग एवं स्वास्थ्य, योग एवं विश्व शांति, योग एवं चरित्र निर्माण इत्यादि विषयों पर व्याख्यान होगा। इसी दिन उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, मोटापा, तनाव, अनिद्रा, जोड़ों के दर्द इत्यादि आधुनिक जीवन शैली जनित रोगों के उपचार एवं प्रबंधन हेतु निशुल्क योग शिविर का भी आयोजन होगा।

हास्य कवि अजीत शुक्ल फिर करेंगे हरदोई का नाम रोशन

हरदोई, 02 मई(हि.स.) हुनर गर आप में है तो दिखाना भी जरूरी है, छुपाकर बैठ जाने से नहीं पहचान बनती है...

इन पंक्तियों के रचनाकार और हरदोई के गौरव, हास्य कवि अजीत शुक्ल एक बार फिर अपनी कविता के हुनर से जनपद का नाम रोशन करने जा रहे हैं। शहर के कृष्ण नगरिया निवासी अजीत शुक्ल पेशे से बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षक हैं, लेकिन उनकी असली पहचान एक चर्चित हास्य कवि के रूप में देशभर में स्थापित हो चुकी है।

राष्ट्रीय मंचों पर हास्य से बिखेरा उजाला

अजीत शुक्ल ने अपनी चुटीली और सामाजिक कटाक्ष से भरपूर कविताओं के दम पर न्यूज 18 के श्लपेटे में नेताजीश, शेमारू टीवी के श्वाह भाई वाहश, आजतक, न्यूज 24, जी न्यूज, भारत समाचार, और दूरदर्शन जैसे प्रमुख चौनलों पर अपने हास्य का जादू बिखेरा है।

चार मई को होगा दूरदर्शन पर प्रसारण

विश्व हास्य दिवस के उपलक्ष्य में दूरदर्शन लखनऊ द्वारा आयोजित हास्य कवि सम्मेलन का शूट बुधवार को किया गया, जिसका प्रसारण रविवार चार मई को सुबह 8रू30 बजे और पुनः दोपहर 1 बजे किया जाएगा।

शुभचिंतकों में उत्साह की लहर

अजीत शुक्ल के इस चयन को लेकर शुभचिंतकों में खासा उत्साह है। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी सांडी डॉ. सुनील कुमार, श्याम जी गुप्ता, अमित शुक्ल, सचिन मिश्र, पंकज अवस्थी, अमन श्रीवास्तव, सरल सुनामी, गीतेश दीक्षित, वैभव शुक्ल, उदयराज सिंह, आकाश सोमवंशी, दिव्यांशु शुक्ल सहित अनेक शिक्षकों, कवियों और समाजसेवियों ने उन्हें बधाई दी।

हरदोई का यह कवि अब देशभर के मंचों पर शहर का गौरव बढ़ा रहा है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पहचान करने वाली मॉडल एकता से एनआईए ने किया पूछताछ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के तार जौनपुर से जुड़ने के कारण अब देश की प्रमुख एजेंसियो ने जौनपुर की रहने वाली पूर्व बैंककर्मी एकता तिवारी से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने पूछताछ की है। एकता ने पहलगाम में पर्यटकों पर हमला करने वाले दो आतंकियों की पहचान की थी। इस मामले में शुक्रवार को बात करते हुए एकता ने बताया कि एनआइए ने गुरुवार शाम 5रू30 बजे एकता से फोन पर संपर्क किया। अधिकारियों ने लगभग 4 मिनट तक बातचीत की और उनके फोन में मौजूद फोटो की मांग की। हालांकि इस मामले में एकता ने क्या पूछताछ हुई इस मामले में कोई भी जानकारी देने से मना कर दिया एकता ने ये माना है उनसे देश की बड़ी खुफिया एजेंसी उनके संपर्क कर जानकारी ले रहे हैं कि घटना के पहले वहां क्या हुआ था। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियो द्वारा कुछ भी बताने से मना किया है।इससे पहले शनिवार को इंटेलिजेंस ब्यूरो (आइबी) के अधिकारी एकता के घर पहुंचे थे। उन्होंने दोनों आतंकियों और पूरी घटना के बारे में विस्तृत जानकारी ली थी। एकता 13 अप्रैल को अपने परिवार और दोस्तों के 20 सदस्यीय समूह के साथ कश्मीर गई थीं। वे 20 अप्रैल को पहलगाम पहुंची थीं। 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले से दो दिन पहले, जब वे खच्चरों पर सवार होकर बैसरान जा रहे थे, रास्ते में उन्हें दो संदिग्ध व्यक्ति मिले। ये दोनों खच्चर वाले बने हुए थे। उन्होंने एकता से उनका धर्म पूछा और बदसलूकी की। बाद में इन्हीं आतंकियों ने बैसरान में पर्यटकों की हत्या कर दी थी।

साफ पार्टी का विलय भारतीय सभ्यता पार्टी में किया गया : अजय कुमार लोधी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय सभ्यता पार्टी की नीतियों एवं कार्य प्रणाली से प्रभावित होते हुए एक राजनैतिक दल साफ पार्टी ने अपने सभी पदाधिकारी के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश कुमार लोधी के द्वारा साफ पार्टी का विलय भारतीय सभ्यता पार्टी में किया गया यह एक ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण निर्णय है इस निर्णय से प्रदेश की राजनीति में एक नया मोड़ आएगा। विलय का कार्यक्रम भारतीय सभ्यता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय पर हुआ , जिसमें साफ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश कुमार लोधी के साथ–साथ उनके समस्त पदाधिकारी अजय कुमार श्रीवास्तव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, प्रदीप वर्मा राष्ट्रीय महामंत्री, अखिलेश कुमार श्रीवास्तव राष्ट्रीय महामंत्री/ प्रवक्ता, संतराम लोधी लखनऊ नगर अध्यक्ष के साथ–साथ साफ पार्टी के अन्य कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे साथ ही भारतीय सभ्यता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय कुमार लोधी के साथ–साथ पार्टी के कई पदाधिकारी जैसे वीरेन्द्र कुमार धानुक राष्ट्रीय संयोजक, अखिलेश कुमार सिन्हा राष्ट्रीय महासचिव, डॉ आर० डी० चन्द्रा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राकेश बेन राष्ट्रीय सचिव, अभिमन्यु कुमार रावत राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी, पूतना सिंह सक्रिय कार्यकर्ता, के साथ–साथ भारतीय सभ्यता पार्टी के बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जान है तो जहान है ट्रैफिक नियमों को लेकर श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल के बच्चों की अनूठी मुहिम

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल के नन्हें छात्र–छात्राएं इन दिनों समाज में ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर जागरूकता की एक मिसाल पेश कर रहे हैं। "जान है तो जहान है" जैसे प्रभावी संदेशों के साथ बच्चों ने पोस्टर बनाकर न केवल अपने स्कूल में बल्कि आमजनमानस को भी ट्रैफिक रूल्स के पालन का महत्व समझाने का कार्य किया है। यह प्रयास दर्शाता है कि अगली पीढ़ी सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारियों को कितनी गहराई से समझ रही है। श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में इस माह विशेष ट्रैफिक अवेयरनेस कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों के माध्यम से समाज में ट्रैफिक नियमों की जागरूकता फैलाना रहा। बच्चों ने सुंदर व संदेशप्रद पोस्टरों के जरिए अपील की कि घर से दोपहिया वाहन पर निकलते समय हेलमेट जरूर लगाएं और चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें। छात्रों ने अपने पोस्टरों में स्पष्ट रूप से लिखा दृ ष्जान है तो जहान हैष और ष्हेलमेट है तो जीवन सुरक्षित है।ष यह भावुक अपील समाज के हर वर्ग को सोचने पर मजबूर करती है कि सुरक्षा केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। इस आयोजन में शिक्षिका अर्पिता सिंह और कविता गुप्ता का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने बच्चों को रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का कार्य किया। स्कूल की प्रातःकालीन असेंबली में प्रतिदिन बच्चों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई जाती है। उन्हें यह भी प्रेरित किया जाता है कि वे घर जाकर अपने माता–पिता व अन्य परिजनों को हेलमेट व सीट बेल्ट के प्रयोग के लिए प्रेरित करें। जिला अधिकारी मंगला प्रसाद सिंह और पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन भी लगातार नागरिकों से दोपहिया वाहन पर हेलमेट व चारपहिया वाहन पर सीट बेल्ट लगाने की अपील कर रहे हैं। ऐसे में स्कूल के बच्चों की यह पहल प्रशासनिक प्रयासों को एक नई सामाजिक ऊर्जा देती है। श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल की यह जागरूकता पहल न केवल अनुकरणीय है, बल्कि यह संदेश देती है कि यदि बच्चे भी समाज को दिशा दिखा सकते हैं, तो बड़ों को उनके उदाहरण का पालन करना ही चाहिए। विद्यालय की छात्रा अपूर्व सिंह चंदेल ने ट्रैफिक रूल्स पर एक कविता के माध्यम से सभी बड़ों से हेलमेट लगाकर ही दो पहिया वाहन पर चलने की जोरदार अपील की है उसकी इस अपील को लोगों की ओर से सराहना मिल रही है। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधक मुकेश सिंह के अलावा प्रधानाचार्या,लक्ष्मी देवी, भूमिका सिंह, शिक्षिका मंशा बाजपेई के अलावा प्रज्ञा त्रिवेदी, विनीता त्रिवेदी, ऐश्वर्या सिंह ,कोमल यादव ,सोनम शुक्ला,क्षमा सिंह सहित सभी शिक्षक – शिक्षिकाएं तथा बच्चे मौजूद रहे।

निर्मला दीदी की याद मां की तरह हर समय बनी रहेगी : रमेश भइया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार रमेश भइया ने कहा कि आज श्रमिक दिवस है आज के दिन आज से 17 वर्ष पहले 2008 को दीदी का असमय जाना,गांधी विनोबा विचार से जुड़े साथियों के लिए एक पीड़ादायक घटना थी।कई बार लोग कहते है कि अगर एक बार गाड़ी लाइन से उतर गई तो कठिनता से ही।चढ़ती है।दीदी के जाने के बाद अभी तक रचनात्मक साथियों को उस विराट स्वरूप में इकट्ठा न हो पाना उसका प्रतीक है। चुराकर फूल जो पूजा करे माली नहीं होता, सबेरा तो कभी भी भोर की लाली नहीं होता। तपाए सूर्य भी कितना,सुखाए धूप भी कितना,मगर सागर तो सागर है कभी खाली नहीं होता। उक्त पंक्तियां दीदी जैसे व्यक्तित्व के लिए ही दादा राजबहादुर विकल ने विनोबा सेवा आश्रम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पढ़ी थीं। आज लखनऊ अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय के परिसर में गुजरात दिवस पर आयोजित भव्यता लिए हुए कार्यक्रम श चुनौतियां मुझे पसंद हैंश राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल के जीवन पर आधारित श्री अशोक देसाई ओ एस डी गवर्नर

डा पंकज जानी उच्च शिक्षा एवं विनय जोशी द्वारा लिखित पुस्तक के विमोचन समारोह की अध्यक्षता माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ एवं श्रीमती सुदेश धनखड़ विशिष्ट अतिथि योगी आदित्यनाथ जी उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य और श्री ब्रजेश पाठक, योगी जी की संपूर्ण कैबिनेट विशेषकर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह मंत्री श्री दया शंकर सिंह बन मंत्री श्री अरुण कुमार सक्सेना जी विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना, श्री मनोज कुमार सिंह मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश,डा विनय पाठक कुलपति कानपुर विश्वविद्यालय ए के त्यागी कुलपति काशी विद्यापीठ वाराणसी के अलावा डेढ़ दर्जन से ज्यादा कुलपति गण

एवं स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। गुजरात से माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल की सुपुत्री श्रीमती अनार बेन पटेल बेटे श्री संजय कुमार पटेल आदि अनेक लोग विशाल परिवार से उपस्थित रहे। आज उसमें सहभागिता एक बड़ी उपलब्धि रही। कार्यक्रम के बाद ए के टी यू में ही विनोबा विचार प्रवाह परिवार ने निर्मला दीदी को श्रद्धांजलि दी। गुजरात गांधी आश्रम के ट्रस्टी श्री जयेशभाई पटेल ने कहा कि दीदी हम सबकी संरक्षक रही हैं।उनसे हम सबने सीखा है । हरिजन सेवक संघ उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष सुश्री कुसुम जौहरी, राष्ट्रीय युवा योजना के ट्रस्टी श्री अजय कुमार पांडे, काशी विद्यापीठ के डा संजय कुमार, डा आदर्श कुमार, विकल जी की सुपुत्री सुमन श्रीवास्तव ,ऐम संस्था के प्रमुख श्री संजय राय , योग के विशेषज्ञ श्री करुणेश राय ,गांधी भवन के सचिव श्री एल बी राय, लखनऊ के डा एस पी पांडे जय जगत सेवा आश्रम जौनपुर के अमित कुमार सिंह, इग्नू के निदेशक डॉ के वो सिंह रामायण भाई पानी के श्री भारत भूषण जी आदि ने दीदी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी का आभार मोहित कुमार सचिव विनोबा सेवा आश्रम ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में एक वर्षीय मौन संकल्प के पथिक संत रमेश भइया भी उपस्थित रहे । ए के टी यू नवीन परिसर के अटल बिहारी बाजपेई सभागार हजारों लोगों से खचाखच भरा था। बाद में सभी ने भोजन भी ग्रहण।किया।

वेल्फेयर ट्रस्ट ने एक महीने निशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यशाला का किया शुभारंभ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट ने युवतियों और महिलाओ को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पुनः निःशुल्क एक माह ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन निखार ब्यूटी पार्लर खुझी मोड हिसामपुर रोड डोभी में किया! कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि समाज सेविका पायल किन्नर ने कहा कि अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा नारी उत्थान एवम उनकी आत्मनिर्भरता के लिए इस तरह के प्रशिक्षण शिविर का आयोजन निश्चित रूप से प्रशिक्षणार्थियों के लिए कारगर साबित होगा, संस्थाध्यक्ष उर्वशी सिँह ने प्रशिक्षिका श्रीमती सरोज गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओ को स्वावलंबी बनाने की इस मुहिम से युवतियां अपने पैरों पर खड़ी हो सकेंगी तथा उनके आत्मविश्वास मे वृद्धि होगी! ट्रस्ट परिवार द्वारा इस तरह के कई बार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा चुका है, इस अवसर पर संस्थापक दीक्षा सिंह ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम में बच्चियों का उत्साह देखकर बहुत ही खुशी का अनुभव हो रहा है,! बड़ी संख्या में बच्चियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया! प्रशिक्षिका सरोज गुप्ता ने कहा कि बच्चियों को सिखाने के बाद हर सप्ताह एक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसमें बेहतर प्रदर्शन करने पर समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा!जिससे बच्चियों के अंदर सीखने की चाह और उत्साह की भावना बनी रहेगी! कार्यक्रम में मुख्य रूप से ट्रस्ट परिवार के तरफ से सदस्य , और किरण किन्नर, बबली किन्नर, वंदना यादव, धरमू गुप्ता, शहजादी गुप्ता, दिनेश, उपेन्द्र, ट्रेनर डिम्पल, खुशी, ज्योति अन्य लोग उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन और आभार महासचिव राधिका सिंह ने किया.

जागते रहो भारत यात्रा भंडारा से रायपुर पहुंची – राजेन्द्र यादव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

रायपुर,छत्तीसगढ़। रायपुर में यात्रा के कार्यक्रम व्यस्तता और विविधतापूर्ण रहे। रायपुर पहुंचने पर हरिजन सेवक संघ की टीम ने यात्रा का स्वागत किया। सायं चार बजे यात्री दल की छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की चेयरमैन डॉक्टर अरुणामयी नायक के साथ बैठक में भाग लिया। यात्रा का उद्देश्य जानते हुए उन्होंने कहा कि परिवार में बेटी की शिक्षा बेटे की तरह और बेटे की शिक्षा बेटी की भांति होनी चाहिए। डॉक्टर नायक ने कहा कि हम हर पल लड़कियों को यह एहसास कराते रहते हैं कि लड़की लडकों के समान नहीं हैं। यही कारण है कि संकट के लिए बेटियां मानसिक और शारीरिक रूप से मुकाबला करने के लिए तैयार नहीं होती। एक विशेष उल्लेख में राज्य महिला आयोग अध्यक्ष ने कहा कि छत्तीसगढ़ की मूल जातियों के सामाजिक संगठन प्राचीन भारतीय परम्परा और मूल्यों की रक्षा के प्रति सजग और सक्रिय हैं। इन समाज में युवा पीढ़ी द्वारा पाश्चात्य संस्कृति की विकृतियों का अनुसरण करने पर सख्त सामाजिक कदम उठाए जाते हैं। इस अवसर पर पूर्व पुलिस अधीक्षक बंसीलाल कुर्रे ने बताया कि हमारे समाज में शादी के लिए वर पक्ष वधु ढूंढता है जबकि अधिकांश जगह लड़की का परिवार लड़का ढूंढता है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।